

915/18

प्राचीन वि कोर है उनी सरसंगु माता सीमति
 रेखा देवी डाय एउ प्राचीन पत्र पेश होने पर
 पत्रावली निपत विधि है पूर्व तलक होकर पेश
 हुई। प्राचीन पत्र में अतिरिक्त किपा कि राजस्व
 लोक कदालत की भावना है उचित होकर प्रकृत
 कागे नही चलाना चाही है सदमति काकर
 प्राचीन की सरसंगु माता के हस्ताक्षर करवाये एवं
 पहचान की गंगाशय शुक्ति एउ डाय की गयी।
 प्राचीन पत्र व पत्रावली का इक्लीक
 किया गया। राजस्व लोक कदालत की भावना का
 देखते हुए प्राचीन पत्र विद्वा कट कारिन रिच
 जाता है। पत्रावली उक्त शुभार होकर नमक व
 कम होकर दारिद्र्य दफ्तर है।

22d)

Id. by
 Exam
 9/5/18

(राजदीन प्रसाद शर्मा)
 उपखण्ड अधिकारी
 नीमकाथाना